श्री अबु आझमी (मानखुर्द-शिवाजीनगर) : अध्यक्ष महोदय, कल जैतापुर में जो घटना घटी, उस घटना की पूरी निंदा करनी चाहिए. जब वहां की जनता इसके लिए राजी नहीं है, जनता की उम्मीद के खिलाफ, जनता की चाहत के खिलाफ, इस तरह से काम करना बिल्कुल ठीक नहीं है. इस घटना की इन्क्वायरी होनी चाहिए. जो जख्मी हुए है और जो मर गए है, उनको पूरा मुआवजा मिलना चाहिए.

मेरा विरोधी पक्ष और सरकार, इन दोनों से सवाल है कि यह देश कानून से चलेगा या मनमानी से चलेगा ? मैं एक बात कहना चाहता हूं कि जब भिवंडी में इसी तरह घटना हुई थी, जब भिवंडी की जनता कह रही थी कि वहां पर पुलिस स्टेशन नहीं बनना चाहिए तो वहां पर पुलिस ने गोलियाँ चलायी. लोग मारे गए थे.

अध्यक्ष : आप जैतापुर के विषय पर बात कीजिए, भिवंडी के विषय पर नहीं.

श्री अबु आझमी : हम विधान सभा में आए है तो हमें हर विषय पर बात करनी पड़ेगी. वहां पर भी गोली चली. दो बेगुनाह लोग मारे गए तो इस बारे में कोई स्थगन प्रस्ताव नहीं आया. किसी ने उस विषय पर आवाज नहीं उठायी. यह बिल्कुल ठीक नहीं है. पुलिस को इस तरह से छूट दे देना, पुलिस किसी के ऊपर गोली चला दे, यह बिल्कुल ठीक नहीं है. मैं सरकार से पूछना चाहता हूं. सरकार यह कह रही है कि यह प्रोजेक्ट बहुत जरुरी है. जनता चाहे कितना भी विरोध करे, यह प्रोजेक्ट करना ही है.

अध्यक्ष महोदय, पूना में जब मस्जिद के लिए परमिशन मिल गई और इस देश का कानून यह है कि हिंदू भाई को मंदिर में जाने से कोई रोक नहीं सकता. मुसलमान को मस्जिद में जाने से कोई रोक नहीं सकता. जब पूरी परमिशन मिल गई तो उस मस्जिद को बनने से क्यों रोका जा रहा है ? वहां पर क्यों नहीं पुलिस लगायी जाती ? जो लोग, जो जातीयवादी शक्तियाँ कानून में मदाखिलत कर के उस काम को रोकती है, वहां पर आप क्यों नहीं गोलियाँ चलाते है ? अंत में मेरी यह मांग है कि जो लोग मारे गए है उनको मुआवजा दिया जाना चाहिए. इतना कह कर मैं अपने दो शब्द पूरे करता हूं.